डॉ. श्रीकुमार बॅनर्जी

निदेशक, भापअ केंद्र के गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिए गये संबोधन का सारांश

"प्रिय सथियों,

सर्वप्रथम मैं अपने देश के 61वें गणतंत्र दिवस समारोह में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। अपने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सामूहिक रुप से आदर प्रकट करने के लिए हम सभी प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के पावन पर्व को मनाने के लिए एकत्रित होते हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपने सैन्य बलों के उन सदस्यों का अभिवादन करें जो हमारे देश को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

जैसाकि आप जानते हैं, वर्ष 1950 में इसी दिन भारत एक सार्वभौम गणतंत्र के रुप में अस्तित्व में आया। और इसी दिन विश्व में सबसे बडे लोकतंत्र का जन्म हुआ।

गणतंत्र दिवस हमारे जीवन में एक ऐतिहासिक दिवस है, यह हमारे आत्मविश्लेषण करने का भी दिन है। भापअ केंद्र विश्व के सबसे बड़े अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में से एक है जहां एक ही छत के नीचे नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विविध गतिविधियों पर उत्कृष्टतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

हमारे वर्तमान कार्यों का संक्षिप्त विवरण मेरे अंग्रेजी भाषण में दिया है जो इसी अंक में उपलब्ध है।

इस समय हम हमारी 11वीं योजना की परियोजना गतिविधियों को आधे से अधिक पूरा कर चुके हैं। यह समय है कि हम अपनी विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की वित्तीय एवं भौतिक दोनों पहलुओं की ध्यानपूर्वक समीक्षा करें ताकि योजना अवधि की समाप्ति तक हम, अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु तैयार हो सकें।

मैं अपने साथियों से आग्रह करता हूँ कि वे कार्य की प्रगति को रिपोर्ट करने एवं परियोजना रिपोर्टों में परिभाषित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमारी प्रगति के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने हेतु PARINAY का अत्यधिक प्रयोग करें।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भापअ केंद्र द्वारा अपनाया गया ऑनलाईन ओसीआर सिस्टम अत्यंत सफल रहा एवं इस केंद्र के लगभग सभी अधिकारी उनके पिछले वर्ष के ओसीआर समय पर प्रस्तुत कर सके। आप लोगों से प्राप्त कुछ सुझावों के आधार पर ओसीआर सिस्टम में और भी सुधार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिनांक 29 दिसंबर 2009 को मॉड लैब में हुई दुर्भाग्यपूर्ण आग की दुर्घटना से, हमें अत्यंत कष्ट हुआ इसमें हमारे दो युवा पीएचडी अध्येता, श्री उमंग उदय नारायण सिंह, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, एवं श्री पार्थ प्रतिम बाग, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, ने अपनी जान गंवाई हैं। इस अवसर पर हम उनकी दिवंगत आत्मा को श्रध्दांजलि अर्पित करते हैं। यह

अवसर है आत्मविश्लेषण का, हमें सुनिश्चित करना होगा कि केंद्र में ऐसी दुर्घटना फिर कभी न हो।

मैं मेरे सभी साथियों से आग्रह करता हूँ कि वे भापअ केंद्र संरक्षा परिषद द्वारा समय-समय पर लागू संरक्षा मार्गदर्शी सिध्दांतों एवं क्रियाविधियों का सख्ती से पालन करें एवं संरक्षा को प्राथमिकता दें। मैं आप सभी से दृढतापूर्वक अपील करता हूँ कि आप सभी अत्यंत सतर्क रहें और यदि कोई कमियां देखी जाएं तो उसकी सूचना उपयुक्त प्राधिकारी को दें ताकि गलती करने वालों के विरुध्द कठोर कार्रवाई की जा सके।

अपने केंद्र एवं इसकी विभिन्न संस्थापनाओं का भौतिक संरक्षण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुझे, विश्वास है कि मेरे सभी साथी, वर्तमान में सुरक्षा की बढती हुई मांग को समझेंगे। मैं बीएआरसी की फायर सर्विस के कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि हमारे केंद्र की विभिन्न स्थापनाओं की लगातार चौकशी के कार्य में लगे रहें तथा संबंधित प्रभागों व सुरक्षा अनुभाग से संपर्क बनाएं। मैं इस केंद्र के सभी अधिकारियों और स्टाफ को भी बधाई देता हूँ जो उच्च सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने में सुरक्षा कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सहयोग कर रहे हैं। अंतः मैं इस केंद्र में अपने सभी साथियों से अनुरोध करुंगा कि वे वर्तमान परिस्थिति में हमेशा सतर्क और जागरुक रहें।

अंत में मैं इस बात को रेखांकित करना चाहूंगा कि हमारे सामने अनेक चुनौतियां हैं। मुझे विश्वास है कि भापअ केंद्र में हम अपने सभी वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और प्रशासकों के एक जुट प्रयासों से बीएआरसी की परंपरा के अनुरुप भावी चुनौतियों का सामना करने में सफल होंगे।

मित्रों, अंत में इस विशेष दिन पर हम यह दृढ़ संकल्प करें कि अपने लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जयहिंद!”